कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
स्थापना वर्ष:1963
E-mail:krl.extension@gmail.com, Website:http.www.kgrl.org, Ph. Fx-0731-2874065
// शैक्षणिक सत्र: 2024–25 //

कक्षा : एम. ए. तृतीय सेमेस्टर
विषय :– समाजशास्त्र

कोर्स का प्रकार (प्रश्न पत्र का नाम): भारतीय समाज एवं संस्कृति कोर्स कोड / MA-III Sem./ 413
व्याख्यान की कुल अवधि–....घंटे कुल क्रेडिट: 06 कुल अंक: 85+15=100 उत्तीर्ण अंक: 28+5=33
प्रश्न पत्र का प्रकार : वैकल्पिक विषय कोर कोर्स

पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :–

1. छात्राओं को भारतीय समाज एवं संस्कृति की जानकारी देना ।
2. छात्राओं को भारतीय समाज एवं संस्कृति से परिचित कराना।

इकाई	विषय	व्याख्यान संख्या
1	– भारतीय समाज का एतिहासिक परिदृश्य:– परंपरागत हिंदू सामाजिक संगठन, परंपरागत हिन्दू समाज, आधारभूत भारतीय समाज का मत और सिद्धांत, युगों से भारतीय समाज – भारतीय संस्कृति पर सांस्कृतिक पुनर्जागरण, बौद्ध धर्म, इस्लाम और पश्चिम का प्रभाव।	
2	– संस्कृति:– भारतीय समाज के तत्व जनांकिकी, धार्मिक भाषायी, क्षेत्रीय एवं सांस्कृतिक समूह जाति एवं प्रभुजाति, आधुनिक भारत में वर्ग तथा वर्ग निर्माण।	
3	– संस्कृति:– परिभाषा, लक्षण, उपादान, भारत में लघु एवं वृहद परम्पराए, पर संस्कृतिकरण एवं संस्कृतिग्रहण, संस्कृति एवं व्यक्तित्व।	
4	– संगठन एवं संस्थाएं:– हिन्दू परिवार एवं हिन्दू विवाह, वंश एवं गौत्र, हिन्दू विवाह अधिनियम 1955, विशेष विवाह अधिनियम 1954, बाल विवाह अवरोधक अधिनियम (1929) 1978, दहेज निशेध कानून (1961) 1986	
5	– जनजातीय भारत:– धर्म एवं जादू, धर्म की उत्पत्ति, जनजातीय अर्थव्यवस्था, जनजातीय समस्याएं एवं संवैधानिक प्रावधान।	
	Suggested Books – 1. भारतीय समाज एवं संस्कृति, डॉ. डी.एस. बघेल, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल 2. भारतीय समाज – राम आहूजा। 3. भारतीय समाज एवं सामाजिक संस्थाएं – गुप्ता एवं शर्मा। 4. पाठ्यक्रम के अनुसार म.प्र. हिंदी ग्रंथ अकादमी द्वारा प्रकाशित पुस्तकें। 5. पाठ्यक्रम के अनुसार म.प्र. हिंदी ग्रंथ अकादमी द्वारा प्रकाशित पुस्तकें। Reference Books - 1- Uberio, Patrica (ed) 1993 Family Kiaship and Marriage in India, New Delhi. 2- Dabe, Leela. 1974, Sociology of Kinship An Analytical Survey of Literature, Bombay.	

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
स्थापना वर्ष:1963
E-mail:krl.extension@gmail.com, Website:http.www.kgrl.org, Ph. Fx-0731-2874065
// शैक्षणिक सत्रः 2024–25 //

कक्षा : एम. ए. तृतीय सेमेस्टर
विषय :– समाजशास्त्र

कोर्स का प्रकार (प्रश्न पत्र का नाम): अपराधशास्त्र कोर्स कोड / MA-III Sem./ 413
व्याख्यान की कुल अवधि– ....घंटे कुल क्रेडिटः 06 कुल अंकः 85+15=100 उत्तीर्ण अंकः 28+5=33
प्रश्न पत्र का प्रकार : वैकल्पिक विषय

पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :–

1. छात्राओं को अपराध की जानकारी देना ।
2. छात्राओं को अपराध एवं अपराध के सिद्धांतों से परिचित कराना।

इकाई	विषय	व्याख्यान संख्या
1	– **अवधारणा** :– अपराधशास्त्र – अर्थ, क्षेत्र एवं विषय वस्तु, अपराध की अवधारणा, सफेदपोश अपराध, महिला विरूद्ध अपराध, अपराध एवं अपराधियों का वर्गीकरण।	
2	– **सिद्धांत एवं प्रकार** – अपराध के समाजशास्त्रीय सिद्धांत, अपराध के प्रारूपवाद, बाल अपराध, सायबर अपराध।	
3	– **दण्डः**–दण्ड का अर्थ, प्रकृति एवं उद्देश्य, दण्ड के सिद्धांत, प्रोबेशन एवं पैरोल।	
4	– **सुधारात्मक कार्यक्रम** :– सुधारात्मक, व्यावसायिक, मानव अधिकार एवं जेल प्रबंधन, सुधारात्मक संस्थाएं।	
5	– **बंदीगृह** :– बंदीगृह अवधारणा, अपराध रोकने में पुलिस की भूमिका, खुली जेल, उत्तर संरक्षण एवं पुनर्वास, पीडितों की क्षतिपूर्ति।	
	Suggested Books – 1. अपराध समाजशास्त्र, डॉ. रिया खत्री, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल 2. अपराधशास्त्र – डॉ. गोपाल कृष्ण अग्रवाल। 3. अपराधास्त्र एवं दण्ड प्रशासन – डॉ.एस.एस.श्रीवास्तव 4. अपराधशास्त्र के सिद्धांत – डॉ.श्यामधर सिंह 5. अपराधास्त्र– डॉ.धर्मवीर महाजन एवं कमलेश महाजन 6. अपराधास्त्र– डॉ.लवानिया एवं शशि जैन 7. अपराधास्त्र– डॉ.गणेश पाण्डेय 8. अपराधास्त्र– अपराधी एवं अपराधशास्त्र – जी.सी. हैलन 9. अपराधास्त्र– एवं दण्डशास्त्र – डॉ.संजीव महाजन 10. पाठ्यक्रम के अनुसार मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी द्वारा प्रकाशित पुस्तकें।	

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
स्थापना वर्ष:1963
E-mail:krl.extension@gmail.com, Website:http.www.kgrl.org, Ph. Fx-0731-2874065
// शैक्षणिक सत्रः 2024–25 //

कक्षा : एम. ए. तृतीय सेमेस्टर
विषय :– समाजशास्त्र

कोर्स का प्रकार (प्रश्न पत्र का नाम): समाजशास्त्र का सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य कोर्स कोड / MA-III Sem./ 411
व्याख्यान की कुल अवधि– ....घंटे कुल क्रेडिटः 06 कुल अंकः 85+15=100 उत्तीर्ण अंकः 28+5=33
प्रश्न पत्र का प्रकार : कौर कोर्स

पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां :–

1. छात्राओं को समाजशास्त्रीय परम्पराओं की जानकारी देना।
2. छात्राओं को समाजशास्त्रीय परम्पराओं से परिचित कराना।

इकाई	विषय	व्याख्यान संख्या
1	**– समाजशास्त्रीय सिद्धांत की निर्माण प्रक्रिया एवं प्रकृति –** 1. समाजशास्त्रीय सिद्धांत का अर्थ एवं प्रकृति। 2. समाजशास्त्रीय सिद्धांत की निर्माण प्रक्रिया। 3. सैद्धांतीकरण के स्तर।	
2	**– सामाजिक संरचना एवं सामाजिक विसंगति –** 1. सामाजिक संरचना का विचार – रेडक्लिपब्रासन एवं एस.एफ. नेडेल 2. सामाजिक विसंगति – इमाईल दुर्खीम एवं आर.के. मॅर्टन 3. नव संरचनावाद – एम.फोकाल्ट एवं जे.अलेक्जेण्डर	
3	**– प्रकार्यवाद के सिद्धांत –** 1. प्रकार्यवाद (पूर्व सिद्धांत) इमाईल दुर्खीम एवं मॅलिनोवस्की 2. सामाजिक प्रणाली का प्रकार्यात्मक आयाम – टॉलकाट पारसन्स 3. समाजशास्त्र में प्रकार्यात्मक सिद्धांत का प्रारूप – आर.के.मर्टन	
4	**– संघर्ष का सिद्धांत –** 1. कार्लमार्क्स का संघर्ष सिद्धांत 2. कोजर का संघर्ष सिद्धांत	
5	**– समाजशास्त्रीय सिद्धांत के अंतः क्रियावाद एवं आधुनिक चिंतनधारा –** 1. प्रतीकात्मक अंत कियावाद (जी.एच.मीड एवं एच. ब्लूमर) 2. प्रघटन शास्त्रीय समाजशास्त्र (ए.शुल्टस एवं एडमंड हसरेल) 3. प्रजाती पद्वतिशास्त्र (एच.मारकिन्सन)	
	Sug.Books - 1. Parsons takeout 1937-1949 the Stricture of Social Action Voll I & II McGrew Hill. New Delhi 2. Mukerjee R.N. – Samajik Vicharo Ka Itihas. 3. Aron Raymond, Main Currents In Sociological Thought (Volume I, II) 4. Coser, I.A. 1977, Masters of Sociological Thought, New York. 4- पाठ्यक्रम के अनुसार म.प्र. हिंदी ग्रंथ अकादमी द्वारा प्रकाशित पुस्तकें। 5- सामाजिक विचारों का इतिहास – डी.एस.बघेल। 6- उत्तर समाजशास्त्र – डी.एस.बघेल। 7- समकालीन समाजशास्त्रीय सिद्धांत – गुप्ता एवं शर्मा। 8- समाजशास्त्रीय चिंतक और सिद्धांतकार – डॉ.संजीव महाजन। 9- समकालीन समाजशास्त्रीय सिद्धांत – डॉ.महाजन। 10- समाजशास्त्र में सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य – डी.एस. बघेल।	

कस्तूरबागांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित
कस्तूरबाग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, कस्तूरबाग्राम, इंदौर
(स्वशासी आवासीय कन्या महाविद्यालय, देवी अहिल्या वि.वि., इंदौर से संबद्ध)
स्थापना वर्ष:1963
E-mail:kri.extension@gmail.com, Website:http.www.kgri.org, Ph. Fx-0731-2874065
// शैक्षणिक सत्रः 2024–25 //

कक्षा : एम. ए. तृतीय सेमेस्टर
विषय :– समाजशास्त्र

कोर्स का प्रकार (प्रश्न पत्र का नाम):नातेदारी, विवाह एवं परिवार का समाजशास्त्र कोर्स कोड / MA-III Sem./ 412
व्याख्यान की कुल अवधि–....घंटे कुल केडिटः 06 कुल अंकः 85+15=100 उत्तीर्ण अंकः 28+5=33
प्रश्न पत्र का प्रकार : कौर कोर्स

पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां :–

1. छात्राओं को **नोतेदारी, विवाह एवं परिवार का समाजशास्त्र** की जानकारी देना ।
2. छात्राओं को **नोतेदारी, विवाह एवं परिवार का समाजशास्त्र** से परिचित कराना।

इकाई	विषय	व्याख्यान संख्या
1	– **नातेदारी** – परिभाषा, प्रकार, रीतियॉ, वर्गीकृत नातेदारी, नातेदारी के प्रति परिवर्तित अभीवृतित्तयॉ एवं उसके कारण।	
2	– **विवाह** – परिभाषा, उद्देश्य, प्रकार, जीवन साथी चुनने के तरीके, अधिमान्य विवाह, विवाह का समाजशास्त्रीय महत्व।	
3	– **परिवार** – परिवार की सार्वभौमिक अवधारणा परिवार का प्रकार, परिवार की उत्पत्ति, परिवार के कार्य, बहुपति एवं मातृवंशीय परिवार।	
4	– **समस्याएँ** – तालक, विधवा, भगनपरिवार, वृद्धों की समस्याएँ, अंतर पीढी संघर्ष ।	
5	– **परिवार एवं विवाह** में वर्तमान समय में परिवर्तन, भारतीय परिवार व्यवस्था पर वैश्वीकरण का प्रभाव, पारिवारिक समायोजन, अन्तर्जातीय विवाह।	
	Tex Books. – 1. नातेदारी एवं विकास का समाजशास्त्र, डॉ.मालधवी लता दुबे, म.प्र. हिंदी ग्रंथ अकादमी 2. नातेदारी विवाह एवं परिवार, डॉ.डी.एस.बघेल, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल 3. मानवशास्त्र, डॉ. आर.एन. शर्मा 4. पाठ्यक्रम के अनुसार म.प्र. हिंदी ग्रंथ अकादमी द्वारा प्रकाशित पुस्तकें। **Ref- Books –** 1- Uberoi Patrician (ed) 1993, Family, Kinship and Marrige In India, In New Delhi. (Oxford Univ.Press)	